सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 34 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 6 मार्च, 2025
मूल्य ₹ 3/-

मैं अपने खुद के प्रयासों से 100 प्रतिशत कमाने की बजाये 100 लोगों के प्रयासों से 1 प्रतिशत कमाना चाहूंगा।
-जॉन डी. रॉकफेलर

25 साल बाद फाइनल में भिड़ेंगे भारत... 7 | धनंजय के इस्तीफे की सच्चाई... 3 | 'निलंबन' से सच की जुबान पर... 2

दक्षिण के नेताओं के बयान से देश में घमासान

शशि थरूर व मणिशंकर की हरकतों से कांग्रेस हलकान

कर्नाटक, केरल व तमिलनाडु में भाजपा पर रार

» लोकसभा परिसीमन को लेकर भी बवाल
» भाजपा ने भी विपक्ष पर कसे तंज

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। आजकल दक्षिणी राज्यों के नेता अपनी गतिविधियों को लेकर पूरे देश में आमजनों के जुबान पर छाए हुए हैं। सबसे ज्यादा चर्चा कांग्रेस नेता शशि थरूर व मणिशंकर पर हो रही है। दोनों नेता अपनी ही पार्टी के शीर्ष नेताओं पर दिए बयान को लेकर घिरे हुए हैं। इस बीच इन सब घटनाक्रमों के बीच भाजपा ने भी विपक्ष पर तंज कसा है।

जहां थरूर ने पार्टी में अपनी उपयोगिता को लेकर शीर्ष नेतृत्व से सवाल करके माहौल गरमाया है तो मणिशंकर ने पूर्व पीएम राजीव गांधी की शिक्षा संबी प्रश्न करने सियासी गर्मी को बढ़ा दिया है। उधर सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) परिसीमन की कवायद का कड़ा विरोध करके भाजपा को आड़े हाथो ले लिया है। पार्टी अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री स्टालिन का दावा है कि इससे तमिलनाडु में लोकसभा की सीट कम हो जाएंगी। वंही फिल्म अभिनेता कमल हसन ने हिन्दी को लेकर भाजपा पर हमला बोला है। उधर कर्नाटक में शिवकुमार को लेकर भी सरगर्मी बढ़ी हुई है उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की।

मणिशंकर अय्यर के बयान से कांग्रेस नाराज

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर अपने बयानों को लेकर एक बार फिर विवादों में हैं। इस बार उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को लेकर बयान देते हुए उनकी शैक्षणिक योग्यता पर निशाना साधा है। अय्यर ने कहा कि दो बार फेल होने के बावजूद उन्हें पीएम बनाया गया, यह आश्चर्य सा लगता है। अय्यर के बयान पर कांग्रेस नेताओं ने आपत्ति जताई है। वहीं बीजेपी नेता अमित मालवीय ने एक्स पर वीडियो शेयर कर निशाना साधा है । मणिशंकर अय्यर द्वारा पूर्व पीएम को लेकर दिए बयान पर पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन बंसल ने बातचीत करते हुए अय्यर के बयान को बेतुका बताया। उन्होंने कहा, मैंने उनकी स्टेटमेंट नहीं देखी है, अगर उन्होंने यह बयान दिया है तो यह गलत है राजीव गांधी देश के महान नेता थे, बहुत कम समय में नाम कमाया, विदेश जाते थे तो उनकी कदर होती थी। अय्यर राजीव गांधी के साथ रहे, उनके साथ काम किया। कभी खुद को राजीव गांधी का करीबी कहने पर नाज करते थे, उनसे यह उम्मीद नहीं थी की वह इस तरह की बात करेंगे।

परिसीमन पर सर्वदलीय बैठक हो : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने लोकसभा सीट के परिसीमन पर एक सर्वदलीय बैठक में दक्षिणी राज्यों के सांसदों और पार्टी प्रतिनिधियों वाली एक संयुक्त कार्रवाई समिति के गठन का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव पेश करते हुए स्टालिन ने कहा कि संसद में सीट की संख्या में वृद्धि की स्थिति में 1971 की जनगणना को इसका आधार बनाया जाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने जोर देकर कहा कि 2026 से 30 वर्षों के लिए लोकसभा सीट के परिसीमन को लेकर 1971 की जनगणना को आधार बनाया जाना चाहिए। सर्वदलीय बैठक में परिसीमन के मुद्दे पर एक प्रस्ताव पारित होने की उम्मीद है। मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक, कांग्रेस और वामपंथी दल, अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) सहित अन्य ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक का भाजपा, एनटीके और पूर्व केंद्रीय मंत्री जी. के. वासन की तमिल मनीला कांग्रेस (मूपनार) ने बहिष्कार किया।

देश को हिंदिया बनाने की हो रही कोशिश : कमल हासन

अभिनेता-राजनेता कमल हासन ने भाषा विवाद में स्टालिन के रुख का समर्थन किया और केंद्र पर गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपकर भारत को हिंडिया बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा केंद्र सरकार कोशिश कर रही है कि सभी राज्य हिंदी बोलें और बहुमत से चुनाव जीतें। हमारा सपना है इंडिया और उनका है हिंन्दिया। हासन की टिप्पणी अमित शाह पर तमिलनाडु के सीएम स्टालिन के हिंदिया तंज की तर्ज पर थी, जब शाह ने हिंदी दिवस पर कहा था कि यह एक भाषा है जो दुनिया में भारत की पहचान है।

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच खरगे से मिले शिवकुमार

कर्नाटक के नेतृत्व पर नए सिरे से चर्चा के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। यह बैठक वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए शिवकुमार का पुरजोर समर्थन करने के कुछ दिनों बाद हुई। हालांकि, शिवकुमार ने कहा कि खरगे से मुलाकात प्रोटोकॉल का मामला था। उन्होंने कहा कि वह मेरे अध्यक्ष हैं। वह मेरे नेता है। एक प्रोटोकॉल है कि मुझे जाकर उन्हें रिसीव करना है।

उदयनिधि को सुप्रीम राहत, दर्ज नहीं होगी नई प्राथमिकी

» सनातन धर्म संबंधी बयान को लेकर हुई सुनवाई
» तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन बेटे के बचाव में उतरे

4पीएम न्यूज नेटवर्क

चेन्नई। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को निर्देश दिया कि सनातन धर्म पर उनकी टिप्पणी को लेकर तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ अदालत की अनुमति के बिना कोई और मामला दर्ज नहीं किया जाएगा। यह आदेश स्टालिन की याचिका पर सुनवाई के दौरान आया, जिसमें उन्होंने विभिन्न राज्यों में उनके खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकियों को एक करने की मांग की थी।

उदयनिधि स्टालिन ने सितंबर 2023 में अपनी टिप्पणियों से सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से की थी और इसके उन्मूलन का आह्वान किया था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने अपने बयान का बचाव करते हुए तर्क दिया कि वह किसी धर्म को निशाना बनाने के बजाय जाति-आधारित भेदभाव और सामाजिक अन्याय की आलोचना कर रहे थे। स्टालिन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एएम सिंघवी ने पीठ को सूचित किया कि कई राज्यों में मौजूदा एफआईआर के अलावा, बिहार में एक नई शिकायत दर्ज की गई है। अदालत ने दृढ़तापूर्वक जवाब देते हुए कहा, आप नई शिकायतें दर्ज नहीं कर सकते।

स्टालिन की टिप्पणियां नूपुर शर्मा की तुलना में कम आक्रामक थीं : सिंघवी

वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत को यह भी याद दिलाया कि पिछली सुनवाई के दौरान उसने मामलों को तमिलनाडु नहीं तो कर्नाटक स्थानांतरित करने की संभावना पर विचार किया था। नूपुर शर्मा सहित इसी तरह के मामलों में सुप्रीम कोर्ट के पिछले फैसलों का हवाला देते हुए, सिंघवी ने तर्क दिया कि स्टालिन की टिप्पणियाँ तुलना में कम आक्रामक थीं। हालाँकि, महाराष्ट्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह कहते हुए इसका विरोध किया कि टिप्पणी सनातन धर्म उन्मूलन सम्मेलन में की गई थी।

‘निलंबन’ से सच की जुबान पर लगाम लगाना बचपना : अखिलेश

औरंगजेब पर घमासान जारी, महाराष्ट्र में अबू आजमी पर कार्रवाई को लेकर भड़के सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आजमी के औरंगजेब पर दिए गए बयान से यूपी में सियासी तूफान आ गया है। विधान सभा में योगी के आजमी पर दिये भाषण को लेकर भी सपा ने नाराजगी जताई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि निलंबन का आधार यदि विचारधारा से प्रभावित होने लगेगा तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और परतंत्रता में क्या अंतर रह जाएगा।

हमारे विधायक हों या सांसद उनकी बेखौफ दानिशमंदी बेमिसाल है। कुछ लोग अगर सोचते हैं कि ‘निलंबन’ से सच की जुबान पर कोई लगाम लगा सकता है तो फिर ये उनकी नकारात्मक सोच का बचपना है। आजाद ख्याल कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा! उधर बुधवार को विधान परिषद को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा को जमकर घेरा और अबू आजमी को पार्टी से निकालने की मांग की और साथ ही चेतावनी दी कि ऐसे विधायक को यूपी भेजा जाए यूपी ऐसे लोगों का इलाज करने में देरी नहीं करता है। बता दें कि यह विवाद तब शुरू हुआ जब महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आजमी ने औरंगजेब को महान प्रशासक बताते हुए उसकी प्रशंसा की थी। इस बयान के बाद यूपी विधान परिषद में मुख्यमंत्री ने सपा को आड़े हाथ लिया है।

योगी के बयान पर सपा महिला कार्यकर्ताओं का हंगामा

योगी के बयान पर सपा महिला कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। महिलाओं ने कहा कि जिसने महाकुंभ में अपनों को खोया गिद्ध नहीं वो उनके परिजन थे। सीएम योगी के खिलाफ नारे लिखे पोस्टर लिए बापू भवन से विधानसभा की ओर उन्होंने प्रदर्शन किया। पुलिस ने आगे से जाने रोकने की कोशिश की। इस दौरान झड़प हो गई

जो संभाजी का अपमान करेगा उसे छोड़ेंगे नहीं : शिंदे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सपा विधायक अबू आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र से निलंबित कर दिया गया है। शिंदे ने कहा, महाराष्ट्र के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें निलंबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज का अपमान करने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शेगा। यह तो केवल पहला कदम है। उन्हें सिर्फ यह संकेत दिया गया है कि अगर उन्होंने दोबारा ऐसा कुछ किया तो महाराष्ट्र उन्हें माफ नहीं करेगा।

कोर्ट ने लगाया राहुल गांधी पर 200 रुपये का हर्जाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वीर सावरकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में हाजिरी माफी की अर्जी लगाने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर दो सौ रुपये का हर्जाना लगाया है। साथ ही एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने मामले की सुनवाई के लिए 14 अप्रैल की तारीख तय की है। इसके पहले राहुल गांधी की ओर से उनकी हाजिरी माफ करने और मामले की सुनवाई आगे बढ़ाने की मांग वाली अर्जी दी गई। इसमें कहा गया कि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। एक विदेशी प्रतिनिधिमंडल से पांच मार्च को उनसे मिलना चाहता है।

» सावरकर पर की थी टिप्पणी
» अब सुनवाई अगले महीने

ऐसे में राहुल सुनवाई के लिए कोर्ट में हाजिर नहीं हो सकते हैं। इस अर्जी पर वादी नृपेंद्र पांडेय की ओर से विरोध दर्ज कराया गया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने राहुल गांधी की अर्जी को स्वीकार करते हुए उन पर दो सौ रुपये का हर्जाना लगाया।

गौरतलब है कि वादी नृपेंद्र पांडेय ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने 17 नवंबर 2022 को 17 नवंबर 2022 को भारत जोड़ो पदयात्रा के दौरान वैमनस्यता पैदा करने के लिए महाराष्ट्र के अकोला में सार्वजनिक मंच से वीर सावरकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की।

इतना ही नहीं, राहुल ने देश के सभी स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान किया है। अर्जी में यह भी कहा गया है कि राहुल गांधी ने वीर सावरकर को अंग्रेजों का पेंशनर, नौकर, मददगार व अपनी रिहाई के लिए माफी मांगने वाला बताकर कई दोषारोपण किया है।

ओडिशा की विरासत मिटा रही भाजपा : पटनायक

» बीजू जयंती समारोह में नहीं पहुंचे पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। बीजद के नेता व ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने बीजेपी पर राज्य की विरासत मिटाने का आरोप लगाया।

इसी मद्देनजर बीजद द्वारा ओडिशा की भाजपा सरकार पर पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक की विरासत को मिटाने का प्रयास करने का आरोप लगाने के बीच विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने अपने पिता की 109वीं जयंती पर आयोजित राज्य सरकार के समारोह का बहिष्कार किया। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने विपक्ष के नेता नवीन पटनायक को दिग्गज नेता बीजू पटनायक की जयंती पर बुधवार को आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। माझी ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस मौके पर दोनों उपमुख्यमंत्री भी मौजूद थे। भुवनेश्वर से दो बीजद विधायकों – अनंत नारायण जेना और सुशांत कुमार राउत – और महापौर सुलोचना दास ने भी समारोह का बहिष्कार किया। हालांकि बीजद सरकार में वित्त मंत्री रहे प्रफुल्ल घदाई ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम को संबोधित किया। घदाई बीजू पटनायक के करीबी सहयोगी थे।

माझी ने बीजद अध्यक्ष समेत सभी से बीजू पटनायक की जयंती जैसे शुभ दिन पर राजनीति नहीं करने का आग्रह किया।

भाजपा का डबल इंजन फेल : पायलट

कांग्रेस नेता बोले - राजस्थान की हो रही घोर उपेक्षा, प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमराई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टोंक। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और अपराधियों में कानून का भय समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार में असमंजस की स्थिति बनी हुई है, प्रशासन पर अधिकारियों का वर्चस्व बढ़ रहा है और सत्ता के अलग-अलग केंद्र बन गए हैं।

मंत्रिमंडल में समन्वय की कमी का खामियाजा प्रदेश की जनता भुगत रही है। टोंक में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पायलट ने कहा कि भाजपा सरकार को बने एक साल से अधिक हो गया है, लेकिन अब तक कोई उल्लेखनीय उपलब्धि नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दो बजट पेश कर चुकी है, जिसमें लाखों नौकरियां देने की घोषणाएं हुईं, लेकिन धरातल पर कोई क्रियान्वयन नहीं हुआ।

केंद्र सरकार कर रही राजस्थान से बेरुखी

पायलट ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में प्रदेश की 25 में से 11 सीटों पर हार का बदला भाजपा राजस्थान की जनता से ले रही है। केंद्रीय बजट में राजस्थान का नाम तक नहीं लिया गया, जबकि यह देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहां बुनियादी ढांचे, रेल और पुलों की सख्त जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि डबल इंजन की सरकार का दावा करने वाली भाजपा के दोनों इंजन फेल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार रेल के विकास पर ध्यान देने के बजाय फिल्म इंडस्ट्री में अधिक रुचि ले रही है। भाजपा की प्राथमिकताएं जनता की जरूरतों से हटकर मनोरंजन तक सीमित रह गई हैं।

विकास कार्यों की समीक्षा

सचिन पायलट ने टोंक में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली, जिनमें मेडिकल कॉलेज, न्यू हॉस्पिटल, नर्सिंग कॉलेज, बनास नदी पर गहलोत पुल, मिनी फूड पार्क, इंडोर स्टेडियम, सिटी पार्क, धन्ना तलाई ड्रेनेज सिस्टम और रनिंग ट्रैक शामिल हैं। उन्होंने अधिकारियों को इन परियोजनाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, पायलट ने लक्ष्मीपुरा (छानबाससूर्या), सेंतीवास (खरेड़ा) और संवारिया (मालपुरा) जैसे गांवों में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत कर स्थानीय समस्याओं को सुना और जनता से संवाद किया।

कागजों में बहारें, जमीन पर धूल, बताइए कैसा खिला है विकास का फूल : अमिताभ

» सपा विधायक ने शायराना अंदाज में योगी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा बजट सत्र में कानपुर की आर्यनगर विधानसभा से सपा विधायक अमिताभ बाजपेयी ने सरकार पर शायराना अंदाज में तंज कसा, सड़कों पर गड्ढे, गलियों में अंधेरा है फिर भी कह रहे हैं शहर बन रहा सुनहरा है।

इस लाइन से अपनी बात की शुरुआत करने वाले सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने दूसरी लाइन में शेर पढ़ते हुए सरकार को फिर घेरा और बोला कि कागजों में बहारें जमीन पर धूल बताइए कैसा खिला है विकास का फूल ये शेर भले ही सुनने में लग रहा हो लेकिन विपक्ष की ओर से इसे सरकार को घेरने वाला तंज माना जा रहा है। शहर के अलग अलग मुद्दों को लेकर विपक्ष में बैठे सपा विधायक अमिताभ बाजपेई सरकार से उसके कामों का हिसाब मांगा और सरकार के द्वारा कराए गए कामों की हकीकत भी बयां की, कानपुर में हाउस टैक्स और नामांतरण शुल्क को लेकर उठाए गए मुद्दे पर सरकार को घेरा।

वहीं अन्य योजनाएं के शून्य विकास की बात भी कही. विधायक ने सदन में कहा कि पहले नगर निगम टैक्स लेकर जनता को सुविधाएं भी मुहैया कराता था. पार्क, बरातशाला, स्वास्थ, शिक्षा सफाई, पेयजल सब सुविधाएं मिलती थी लेकिन नगर निगम अब टैक्स तो बढ़ा रहा है लेकिन सुविधाएं खत्म करता जा रहा है।

धनंजय के इस्तीफे की सच्चाई आई सामने

महाराष्ट्र में पूरी रात चला बड़ा सियासी ड्रामा

» पूरे देश में बीजेपी की थू-थू
» फडणवीस का बड़ा खेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के खाद्य रसद मंत्री धनंजय मुंडे का रातों-रात बुलाकर इस्तीफा ले लिया गया है और सुबह इस्तीफे की खबर को आम करके देवेंद्र फडणवीस और बीजेपी अपनी पीठ ठोंकने का काम कर रह है जबकि सच्चाई इसके बिल्कुल उलट है। पूरी रात महाराष्ट्र में बड़ा सियासी ड्रामा चला है और आखिर में कोई चारा नहीं बचा तो बीजेपी ने इस्तीफे का स्वांग रचा है। धनंजय मुंडे के इस्तीफे की सच्चाई क्या है और महाराष्ट्र में कौन सा सियासी ड्रामा रात भर चला है, ये हम आपको अपनी इस रिपोर्ट में बताएंगे। साथ ही इस पर आएंगे कि इसके पीछे बड़ा खेल क्या हुआ है।

धनंजय मुंडे का इस्तीफा इसलिए हुआ कि देवेंद्र फणडवीस सरकार सरपंच संतोष देशमुख की हत्या को लेकर बुरा फंस गई थी। आखिर में जब देंवद्र फणडवीस को ये पता लग गया कि शायद अब उनपर और उनकी सरकार पर भी आफत आ जाएगी तो आनन-फानन में रातों-रात बीजेपी के कई बड़े नेताओं को लगाकर इस्तीफा दिलाया है लेकिन ये क्यों करना पड़ा इसके पीछे एक बड़ी कहानी है। कहानी ऐसा ही फिल्मी दुनिया के विलेन पीछे छूट जाएंगे। इतनी बेहरमी और इतनी बेदर्दी से सरपंच संतोष देखमुख को मारा गया, ये सबकुछ बहुत ही दर्दनाक और डरा देने वाला था। शायद फिल्मों में भी एक विलेन का रोल ऐसा नहीं होता है जैसा धनंजय मुंडे ने सरपंच संतोष देखमुख के साथ किया। इससे लोगों में आक्रोश भड़क उठा और इतना भड़का है कि बीजेपी को बैकफुट पर आना पड़ा है।

वीडियो वायरल होने के बाद फंस गई थी बीजेपी सरकार!

देशमुख की हत्या से पहले घुले, कराड और विष्णु चाते आपस में संपर्क में थे। आपको बता दें कि देशमुख को 9 दिसंबर को अगवा किया गया था और वीडियो वायरल होने के बाद एक बार फिर से इलाके में तनाव बढ़ गया था, कहीं न कहीं पूरा मामला दबाने का सिर्फ एक ही विकल्प बचा था कि धनंजय मुंडे का इस्तीफा हो नहीं हो तो सरकार के गले की बड़ी फांस ये मामला बनने जा रही था और यही वजह है कि रातों-रात बीजेपी के बड़े मंत्रियों को लगाकर धनंजय मुंडे का इस्तीफा हुआ है। माना जा रहा है कि इस्तीफे की मेन वजह बीजेपी की अपनी सरकार का फंसना और वीडियो और फोटो का वायरल होना है वरना नैतिकता के नाम पर इस पार्टी से कभी कुछ नहीं हुआ है और शायद महाराष्ट्र में भी न होता लेकिन वीडियो ने वो कमाल कर दिखाया जो बीजेपी में आसानी से नहीं होता। आपका इस पूरे मामले पर क्या मानना है, क्या बीजेपी के मंत्री का इस्तीफा वीडियो वायरल होने के बाद दिया गया गया है, क्या वीडियो न वायरल होती तो क्या मंत्री का इस्तीफा न होता।

धनंजय मुंडे के इस्तीफे ने बचाई बीजेपी सरकार!

बीजेपी कितना भी भंयकर हादासा हो जाए, कितने लोगों की मौतें हो जाएं। नेता या अधिकारी कितने बड़े भ्रष्टाचार में डूबे हों लेकिन बीजेपी में इस्तीफे का नाम कभी आप नहीं सुनेगे। ताजा तीन मामले हैं पहला महाकुंभ में लगभग 40 लोगों की मौत का है लेकिन योगी आदित्यानाथ का इस्तीफा नहीं हुआ। योगी आदित्यानाथ खुद ही अपनी पीठ नहीं ठोंकते नजर आए बल्कि बीजेपी के दिल्ली के नेता बताते रहे कि कुछ नहीं हुआ है। फिर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई लेकिन रेल मंत्री का कुछ नहीं हुआ। अभी दो दिन पहले की एक बड़ी घटना है, पूरे देश में शेयर बाजार तेजी से धड़ाम हो रहा है और सेबी चैयरमैन माधुरी बुच पर कोर्ट ने फर्जीवाड़े का आदेश जारी कर दिया है लेकिन बुच का इस्तीफा नहीं आया बल्कि महाराष्ट्र से सुबह ही खबर आ गई कि भाजपा के खाद्य और रसद मंत्री धनंजय मुंडे का इस्तीफा हो गया है, क्योंकि उनका नाम एक बड़े हत्याकांड से जुड़ गया था तो नैतिकता के आधार पर उनसे इस्तीफा ले लिया गया लेकिन बीजेपी में पहली बार ये शब्द नैतिकता सुनाई दिया। सुनने में तो बड़ा अजीब सा लोगों ने फील किया लेकिन सवाल ये भी उठे कि ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ सारे सबूत गवाह होने के बाद भी नैतिकता के आधार पर इस्तीफा न लेने वाली पार्टी आखिर मुंडे के नाम पर इतनी जल्दी कैसे की लेकिन समय बीतने के साथ पूरी कहानी खुलकर सामने आ गई है। दरसअल इस्तीफा नैतिकता के आधार पर लिया नहीं गया बल्कि इसके पीछे एक बड़ा गेम था। दरअसल इस पूरे मामले के 15 वीडियो और 8 फोटो बनाए गए थे। जब नाम आने के बाद कई दिनों तक कार्रवाई नहीं हुई तो अचानक ये वीडियो वायरल होने लगें आपको बता दें कि इस पूरे मामले की जांच सीआईडी ने की थी। 5 फरवरी को हुई सरपंच की हत्या में सीआईडी ने अपनी चार्जशीट में वीडियो और फोटो को भी शामिल किया था। वहीं धनंजय मुंडे के करीबी वाल्मीक कराड और उसके 6 गुर्गों को जनवरी महीने में महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

विपक्ष की मांग और बढ़ते दबाव के चलते धनंजय ने छोड़ी कुर्सी

आपको बता दें इस मामले की पूरी जानकारी सीएम देवेंद्र फणडवीस और दिल्ली की गुजरात लॉबी को पूरी तरह थी कि इसमें हर हाल में धनंजय मुंडे का नाम शामिल है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीड कोर्ट में इन वीडियो को दिखाया गया लेकिन ये वीडियो रविवार से ही सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे थें और इस फोटो को देखने के बाद जनता सड़को पर उतर आई लोगों ने मंगलवार को एक दिन के बंद का आह्वान किया है। वहीं धनंजय मुंड ने नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे दिया। विपक्ष और सरपंच का परिवार लंबे समय से मुंडे के इस्तीफे की मांग कर रहा था। हालांकि वीडियो वायरल होने तक वह अपने पद पर बने रहे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बीड से विधायक संदीर क्षीरसागर ने कहा, जब बीड़ के लोगों ने सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो देखे तो तनाव फैल गया। लोग घरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए। अच्छा हुआ कि मुंडे ने इस्तीफा दे दिया। आपको बता दें कि मासजोग के सरपंच संतोष देशमुख को

दी गई प्रताड़ना के वीडियो बनाए गए थे। खुद वहां के एसपी ने इस बात की पुष्टि की है कि पोटो वायरल होने के बाद लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने खुद जनता को समझाया कि ये वीडियो और पोटो न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं। लोगों से अपील है कि वे कानून को अपने हाथों में ना लें। आपको बता दें कि कराड ने बीड में एक रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अवादा के भूमि अधिग्रहण अधिकारी से दो करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई थी। सरपंच देशमुख ने जब इस उगाही को रोकने की कोशिश की तो उनके खिलाफ साजिश रच दी गई। एसआईटी ने कोर्ट में सीसीटीवी फुटेज, वीडियो कॉल, कॉल रिकॉर्डिंग और तस्वीरें पेश की थीं। कराड के बाद दूसरे नंबर का आरोपी सुदर्शन घुले को बताया गया था। उसके खिलाफ पहले ही दर्जनभर केस चल रहे हैं। हत्या के बाद संतोष देशमुख का शव सड़क किनारे फेंक दिया गया था। आपको बता दें कि पंकजा मुंडे ने खुद कहा था कि उनके चचेरे भाई धनंजय मुंडे का कोई काम कराड के बिना नहीं चलता है। चार्जशीट के मुताबिक आरोपी महेश केदार ने वीडियो शूट किए थे। ये वीडियो 2 सेकंड से लेकर 2 मिनट 4 सेकंट तक के थे। एक वीडियो में सुदर्शन घुले और पांच अन्य आरोपी देशमुख की एक डंडे से पिटाई कर रहे थे। वे लात से भी उन्हें मार रहे थे। वीडियो में देखा गया कि देशमुख अर्द्धनग्न हालत में थे और उन्हें जमीन पर बैठाकर पीटा जा रहा था। एक अन्य वीडियो में आरोपी सुदर्शन घुले संतोष से जबरन कहवा रहा था कि वह सबका बाप है। एक अन्य आरोपी ने देशमुख पर पेशाब कर दी । देशमुख का खून भी बह रहा था। आरोपी कृष्णा अंधाले ने देशमुख के फोन से दो वीडियो कॉल किए। पुलिस ने मौके से 15 टूटी हुई पाइप बरामद कीं ।

एनसीपी के एक और मंत्री पर लटकी तलवार

धनंजय मुंडे के इस्तीफा देने के बाद अजित पवार कोटे से कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे के इस्तीफा का दबाव बढ़ने लगा है। तीस साल पुराने एक मामले में उनका सियासी भविष्य दांव पर लगा है। 1995 में कोकाटे ने फर्जी दस्तावेज लगाकर सीएम कोटे से गरीबों के लिए बने सस्ते मकान को हासिल किया था। नासिक कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई थी। इस पर उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दे रखी है, कोर्ट अगर सजा को निलंबित नहीं करता है तो विधायकी और मंत्री पद दोनों से हाथ धोना पड़ जाएगा। कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे का राजनीतिक भविष्य दांव पर लगा है। बजट सत्र से पहले ही माणिकराव कोकाटे के इस्तीफे की मांग जोर पकड़ रही थी और विपक्ष उनके इस्तीफे की मांग को लेकर विधान भवन परिसर में हंगामा कर रहा है। इस बीच धनंजय मुंडे के इस्तीफे के बाद कोर्ट के फैसले के बाद विपक्ष फिर आक्रामक नजर आ सकता है। इस तरह अजित पवार की सियासी टेंशन खत्म होने का नाम नहीं ले रही है क्योंकि धनंजय मुंडे के इस्तीफा से मराठवाड़ा का समीकरण गड़बड़ा रहा है, तो अब नासिक क्षेत्र से विधायक कोकाटे ने टेंशन बढ़ा दी है।

धनंजय मुंडे की जगह कौन बनेगा मंत्री?

कराड और उनके साथियों की गिरफ्तारी होने के बाद ही महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने धनंजय मुंडे से इस्तीफा मांगा था। एनसीपी के प्रमुख अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल से बातचीत की, जिसके बाद धनंजय मुंडे ने इस्तीफा दिया। इससे महाराष्ट्र की सियासत पर असर पड़ने के साथ ही बीड जिले के सियासी समीकरण भी बदलेंगे, लेकिन उससे ज्यादा टेंशन अजित पवार की है। धनंजय मुंडे की जगह अजित पवार कोटे से कई विधायक हैं, जो मंत्री बनने के लिए बेताब हैं। इस फेहरिस्त में छगन भुजबल से लेकर प्रकाश सालुंके सहित एनसीपी के तमाम नेताओं ने मंत्री बनने के लिए सियासी लॉबिंग शुरू कर दी है.

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

स्मार्ट सिटी परियोजना से पर्यावरण को नुकसान!

कई शहर जहां इस परियोजना के चलते सीवर, सड़क व अन्य विकास योजनाएं बनाई जा रहीं है वहां पेड़ों की कटाई-छटाई होने से प्राकृतिक असंतुलन बढ़ रहा है। कई जहर तापमान बढ़ रही है तो कई जगह मानवीय बीमारियां भी लोगों को मायूस कर रही है। नीति निर्धाराको को अपनी प्राथमिकता बदलनी होगी।

केंद्र सरकार व पीएम मोदी की महत्वाकांक्षी स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में पर्यावरणीय स्थिरता की अनदेखी की जा रही है ऐसी कई खबरें आ रही हैं। कई शहर जहां इस परियोजना के चलते सीवर, सड़क व अन्य विकास योजनाएं बनाई जा रहीं है वहां पेड़ों की कटाई-छटाई होने से प्राकृतिक असंतुलन बढ़ रहा है। कई जहर तापमान बढ़ रही है तो कई जगह मानवीय बीमारियां भी लोगों को मायूस कर रही है। नीति निर्धाराको को अपनी प्राथमिकता बदलनी होगी। हालांकि नवीकरणीय ऊर्जा, हरित भवन, अपशिष्ट प्रबंधन और टिकाऊ परिवहन जैसे मुद्दों पर पर्यावरणीय व्यवस्था तो नजर आती है, लेकिन कुछ स्थानों पर जनसंख्या में वृद्धि से संसाधन मांग और प्रदूषण बढने से पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो रहा है, जिससे स्थायी विकास पर अधिक ध्यान जरूरी है।

स्मार्ट सिटी परियोजना में पर्यावरण स्थिरता को नागरिकों के सुनिश्चित जीवन एवं अच्छे भविष्य के लिए प्राथमिकता दी जा रही है। स्मार्ट सिटी में नागरिकों के लिए हरित वातावरण एवं पार्क सुनिश्चित किए जा रहे हैं। साथ ही मकान के चारों तरफ रोशनी पर्याप्त मात्रा में हवा एवं गुणवत्ता का भी ध्यान रखा जा रहा है। साथ में वाटर रिसायकल एवं कचरा डिस्पोजल का भी प्रावधान रखा जाता है और तकनीकी के हिसाब से नई-नई सुविधा भी लागू करने की कोशिश की जा रही है। पर अब भी कुछ कमियां हैं जिसे सुधारने की आवश्यकता है। स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में विकास का प्रमुख आधार शहरी अधोसंरचना होती है जिसके बिना विकास की अवधारणा पूरी नहीं हो सकती, परंतु विकास के बदले में हमें हरियाली के विनाश का मूल्य चुकाना होता है। शहरी योजनाओं में प्रमुखत: सड़क चौड़ीकरण, सीवरेज, ड्रेनेज आदि के लिए विशाल संख्या में पेड़ काटे जाते हैं। इनका उसी अनुपात में पुन: प्रतिस्थापन नहीं होता और न ही उस अनुपात में पेड़ लगाए जाते हैं जिससे पर्यावरण को सतत नुकसान पहुंचता है। अत: इनका संरक्षण और संधारण अत्यावश्यक है। स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत पर्यावरणीय स्थिरता लाने लिए अभी कोई ठोस योजना नहीं बनाई गई है। शहर के अंदर चलने वाले वाहनों व परिवहन वाहनों से निकलने वाला धुआं पर्यावरण को दूषित करता है। उसकी वजह से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन अधिक होता है। ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कमी करनी होगी। स्मार्ट सिटी योजना में अधिक पेड़ लगाए जाएं तो ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ सकती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बड़ी चुनौती है जलवायु परिवर्तन से निपटना

ज्ञानेन्द्र रावत

जलवायु परिवर्तन अब समूची दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। इसके लिए प्रकृति प्रदत्त मानव संसाधनों का बेतहाशा उपयोग और जंगलों का निर्ममता से किया गया अत्यधिक कटान तो जिम्मेदार है ही, इसमें भौतिक संसाधनों के सुख की मानवीय चाहत और विभिन्न क्षेत्रों के प्रदूषण के योगदान को भी नकारा नहीं जा सकता। बढ़ता वैश्विक तापमान और उसके चलते मौसम में आये अप्रत्याशित बदलाव का दुष्प्रभाव जीवन के हर पक्ष पर पड़ रहा है। इससे हमारा पर्यावरण, जीवन, रहन-सहन, भोजन, पानी, और स्वास्थ्य पर प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। तात्पर्य यह कि जीवन का कोई भी पक्ष इसके दुष्प्रभाव से अछूता नहीं है। असलियत में जलवायु परिवर्तन से बदलता मौसम भोजन, स्वास्थ्य और प्रकृति को जो नुकसान पहुंचा रहा है, उसकी भरपाई फिलहाल तो आसान नहीं दिखाई देती।

हां, इसके चलते प्राकृतिक असंतुलन के कारण जन्मी आपदाएं भयावह रूप जरूर अख्तियार करती जा रही हैं जो तबाही का सबब बन रही हैं। धरती के लिए यह चेतावनी भी है कि अब भी समय है, संभल जाओ, यदि अब भी नहीं संभले, तो यह संकट लगातार गहराता चला जायेगा। तब इसका मुकाबला कर पाना बहुत मुश्किल होगा। आजादी के बाद के 70 सालों में जलवायु परिवर्तन से भारत में ही आपदाओं में आठ गुणा से भी ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इसका खुलासा पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में कार्यरत संगठन 'आई फारेस्ट' की रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक आजादी के बाद के शुरुआती सालों में जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदा यानी बाढ़, चक्रवात, हीटवेव आदि की तादाद कुल मिलाकर 27 ही थी, लेकिन उसके बाद के बरसों में इनकी तादाद बढ़कर आठ गुणा का आंकड़ा पार कर गयी। इसमें 1998 में गुजरात में व 1999 में ओडिशा में आये भीषण चक्रवात से हुई तबाही, 2013 में उत्तराखंड में आई जल प्रलय और 2014 में आये हुदहुद और अम्फान नामक आये भीषण चक्रवात से हुई तबाही व 2019 में जून से सितम्बर के बीच मानसून मौसम में 110 फीसदी से अधिक हुई बारिश से देश के 14 राज्य बाढ़ के भीषण प्रकोप से प्रभावित रहे।

फानी तूफान के कहर तथा 1998, 2002, 2003 और 2015 में हुई भीषण तापमान वृद्धि और भीषण लू की घटनाओं को लोग भूले नहीं हैं। यदि हम वर्ष 1991 से 2000 तक जलवायु

परिवर्तन से होने वाली आपदाओं का जायजा लें तो इस दौरान 96 आपदाओं का देश को सामना करना पड़ा। जबकि उसके बाद वर्ष 2020 तक देश की जनता को 210 आपदाओं का कहर झेलना पड़ा। वर्ष 2024 तो देश के लिए अभूतपूर्व गर्मी की मार वाला रहा, अप्रैल से जुलाई तक सबसे खराब और सबसे लम्बे समय तक चलने वाली गर्मी की लहरों यानी भयंकर लू की मार सहने को देश विवश हुआ। इस दौरान देश के 741 जिलों में से लगभग 500 जिलों का दैनिक तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पर्यावरण और मानवाधिकार संगठन 'जर्मन वॉच' के क्लाइमेट इंडेक्स से खुलासा हुआ है कि जलवायु से जुड़ी आपदाओं में भारत दुनिया के शीर्ष 10 देशों में जिनमें डोमिनिका, चीन, होंडुरास, म्यांमार, इटली, ग्रीस, स्पेन, वानुआतू और फिलीपींस शामिल हैं, में छठे स्थान पर है और यहां साल-दर-साल आपदाएं विकराल होती जा रही हैं। बीते तीन दशकों में अकेले भारत में जलवायु परिवर्तन से जन्मी मौसमी आपदाओं से देश को कुल 180 अरब डालर का नुकसान हुआ और औसतन 4,66,45,209 लोग प्रभावित हुए। 1993 से 2022 के बीच देश में हुई चरम मौसमी घटनाओं में करीब 80 हजार लोगों की जानें गयीं। जबकि दुनिया में आठ लाख लोग मौत के मुंह में चले गये और 4.2 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। इन आपदाओं से सालाना 2000 डॉलर का देश की अर्थव्यवस्था पर बोझ पड़ रहा है, साथ ही 2675 जिंदगियां हर साल इनकी शिकार होती हैं। इस बारे में जलवायु विशेषज्ञ लारा शेफर कहते हैं कि समूची दुनिया में जलवायु संकट तेजी से खतरनाक होता जा रहा है।

पिछले तीन दशक सबूत हैं कि ग्लोबल साउथ के देश विशेष रूप से चरम मौसमी घटनाओं से जूझ रहे हैं। हम जलवायु संकट के अप्रत्याशित और महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर रहे हैं। यह समाज को अस्थिर करने में अहम भूमिका निभाएगा। वहीं संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस का कहना सही है कि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य अब भी पहुंच से बाहर हैं। यही कारण है कि जलवायु आपदा टालने में दुनिया पिछड़ रही है। समय की मांग है कि समूचा विश्व समुदाय सरकारों पर दबाव बनाये ताकि वे समझ सकें कि इस दिशा में हम पिछड़ रहे हैं और तेजी से आगे बढ़ने की ज़रूरत है।

मोदी और केरल में ईश्वर का हाथ

ज्योति मल्होत्रा

मध्यवर्गीय भारत का बिगड़ैल लाल यानी तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर इन दिनों एक लघु तूफान में फंसे हुए हैं, और यह सब इंडियन एक्सप्रेस के साथ 45 मिनट के पॉडकास्ट में मलयालम में उनके कहे चार शब्दों वाले एक वाक्य की वजह से है 'मेरे पास दूसरे विकल्प हैं।' चार बार के सांसद थरूर 2009 में किए गए अपने ट्वीट 'मैं हमारी सभी पवित्र गायों का साथ देने के लिए कैटल क्लास में यात्रा करने जा रहा हूं', जिसने मितव्ययिता के नारे के इर्द-गिर्द घड़े पाखंड के असामान्य प्रदर्शन पर तंजकर देश को खूब हंसाया था, उस वक्त के बाद से वे एक लंबा सफर तय चुके हैं- हालांकि, खुद सोनिया गांधी ने ऐसी शब्दावली के लिए उनकी ताड़ना की थी। हो सकता है थरूर की टिप्पणियों पर उठा नवीनतम विवाद भी सप्ताहांत तक ठंडा पड़ जाए, खासकर जब केरल कांग्रेस के नेताओं और पार्टी आलाकमान के बीच 2026 में केरल के आगामी चुनाव को लेकर होने वाली तैयारी बैठक होगी, और सांसद की आहत हुई भावना को शांत करने का प्रयास किया जाए।

पार्टी के सभी गुटों के बीच एकता दिखाने की बात पहले ही कही जा रही है। वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी, वहां से पूर्व सांसद और उनके भाई राहुल गांधी और कांग्रेस संगठन के प्रभारी महासचिव और अलपुझा से सांसद केसी वेणुगोपाल-इस पुरानी पार्टी में सबसे शक्तिशाली तिकड़ी- निश्चित रूप से अपने चुनावी अभियान की अगुवाई इस पेशकारी से करेंगे 'भगवान के अपने देश में सब ठीक है और कांग्रेस अगले साल सत्ता में वापस आएगी।' सिवाय इसके कि दक्षिणी राज्य में मंथन चल रहा है और अरब सागर की फ़िजां इन दिनों कुछ बदली-सी है। पिछले हफ्ते कोचीन में हुए निवेशक शिखर सम्मेलन में भाजपा नेता पीयूष गोयल और केरल के मुख्यमंत्री और सीपीआई (एम) नेता पिनाराई विजयन को दिल खोलकर हंसते हुए देखा गया। कुछ ही दिनों बाद, सीपीएम ने केरल की अपनी सभी पार्टी इकाइयों को एक नोट भेजा, जिसमें बताया गया कि पार्टी मोदी सरकार को 'फासीवादी या नव-फासीवादी' क्यों नहीं बता रही।

इसमें कोई संदेह नहीं कि यह टिप्पणी 6 मार्च को कोल्लम में होने जा रहे सीपीएम के 24वीं पार्टी सम्मेलन में बहस के केंद्र में होगी। कुछ लोगों का कहना है कि यह पार्टी में शक्तिशाली प्रकाश करात गुट द्वारा अपनाई कांग्रेस विरोधी नीति की वापसी है- पिछले सितंबर में सीताराम येचुरी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के बाद, जिन्होंने हमेशा विपक्षी एकता के लिए जोर दिया और मानते थे कि कांग्रेस पार्टी इसका धड़कता दिल है। इसलिए इन दिनों केरल में थरूर की महत्वाकांक्षाओं से बड़ा सवाल यह है कि क्या वामपंथी भाजपा के प्रति नरम रुख अपना रहे हैं? और क्या वे कोल्लम पार्टी सम्मेलन में भाजपा को नहीं, बल्कि कांग्रेस को वामपंथ का मुख्य राजनीतिक दुश्मन बताने की ओर लौटेंगे- यह सब इसलिए क्योंकि राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी है? तो कल्पना कीजिए कि इस सोच की कितनी संभावना है, खासकर जब भाजपा दक्षिण भारत में अपनी जगह बनाने के वास्ते कड़े प्रयास कर रही है।

क्या विजयन और नरेन्द्र मोदी केरल में कांग्रेस को खत्म करने के वास्ते सच में एकजुट हो सकते हैं, भले ही यह पूरी तरह से पर्दे के पीछे हो? प्रिय पाठक, इस विचार को जरा यहीं थामकर रखें, क्योंकि अभी और भी बहुत कुछ बाकी है। हाल ही में इंडिया टुडे मूड ऑफ द नेशन सर्वे ने हैरान किया कि केरल में भाजपा का वोट शेयर हर दिन बढ़ रहा है- लोकसभा चुनाव में उसे 17 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन यदि आज चुनाव हों तो यह 24 प्रतिशत हो सकता है। और वोट शेयर में 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ वामपंथियों को नुकसान होगा। आप कल्पना कर सकते हैं कि भाजपा इतनी खुश क्यों है। राजधानी दिल्ली समेत, उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में जीत हासिल करने के बाद- हिमाचल प्रदेश की चार सीटें अपने पास होने और पंजाब की 13 सीटों पर अगली नज़र के साथ- उसे पता है कि अब दक्षिणी मोर्चे में भी सेंध लगाना जरूरी है। कुछ समय से तमिलनाडु पर ध्यान केंद्रित होने की वजह से जाहिर है केरल में विस्तार पर जोर कम रहा। केरल के सर्वप्रिय गुरुवायूर मंदिर गृहक्षेत्र त्रिशूर से पिछले साल पूर्व अभिनेता सुरेश गोपी ने लोकसभा सीट जीतकर भाजपा के खिलाफ रही केरल की वर्जना को तोड़ा था। पार्टी का मानना है कि नायर समुदाय, जो कभी वामपंथियों की रीढ़ हुआ करता था, बहुत जल्द उसकी तरफ झुक जाएगा।

भाजपा अपनी इन उम्मीदों में गलत नहीं है। यहां तक कि पिछले कुछ दशकों से केरल के मध्यवर्ग को कट्टर वामपंथी होने के बावजूद पास के मंदिर में जाकर दीया जलाने में कुछ भी गलत नहीं दिखता। बड़ी समस्या, ज़ाहिर है, यह है कि भाजपा के पास अभी भी राज्य में नेतृत्व करने के लिए कोई उचित चेहरा नहीं है- पूर्व आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर काफी पढ़े-लिखे हैं और थरूर से तिरुवनंतपुरम छीन भी सकते थे, सिवाय इसके कि उन्होंने ऐसा किया नहीं। इसलिए जब चार बार के कांग्रेस सांसद ने पिछले हफ्ते कहा 'अगर पार्टी मेरी ताकत का इस्तेमाल करना चाहती है, तो मैं बना रहूंगा, अगर नहीं, तब मेरे पास दूसरे विकल्प हैं', तो पूरे देश में चटपटी राजनीतिक चर्चा छिड़ गई। तो क्या थरूर कांग्रेस छोड़कर भाजपा या वामपंथ में शामिल होंगे? क्या वे कांग्रेस के भीतर ज़्यादा जगह बनाने को कसमसा रहे हैं, उदाहरण के लिए, मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनने की खातिर दबाव डालना?

गुलाब जामुन

होली में भर देगा मिठास

होली के दिन गुलाब जामुन से अपना और दोस्तों का मुंह जरूर मीठा करें। यह भारत की प्रसिद्ध डेजर्ट रेसिपी है। इसे बनाने के लिए पहले इन्हें डीप फ्राई किया जाता है, उसके बाद शुगर सिरप में डुबाया जाता है। भारत के हर कोने में आपको गुलाब जामुन खाने को मिल जाएगा। लेकिन आज हम आपको गुलाब जामुन बनाने का एक नया तरीका बता रहे हैं। इस तरीके में गुलाब जामुन के अंदर बहुत सारे ड्राई फ्रूट्स को भरा जाता है। जिससे इसका स्वाद और भी ज्यादा बढ़ जाता है। इसे आप स्टफ्ड गुलाब जामुन कह सकते हैं। गुलाब जामुन बनाते समय थोड़ी सी और मेहनत करके स्टफिंग के जरिए आप अपनी रेसिपी को और भी ज्यादा खास बना सकते हैं। इसके साथ ही आपके गुलाब जामुन को एक खास फ्लेवर भी मिलेगा।

मुख्य सामग्री

100 ग्राम खोया,1 टेबल स्पून मैदा या सूजी,1/4 टी स्पून बेकिंग सोडा, 2 कप चीनी, 2 कप पानी, 2 टेबल स्पून मिल्क, 1/2 कप नटस और आयल सीडस।

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में खोवा ले, और जिस तरह से आप आटा गूंथते हैं उसी तरह से खोवा को भी अच्छी तरह से मसल लें। इसके बाद मैदा को भी डालकर अच्छी तरह से गूंथ ले। आपको मैदा को कम से कम 4 से 5 मिनट तक गूंथना है ताकि यह नर्म हो जाए। खोवा और मैदा को आपस में मिलाकर अच्छी तरह से इतना गूंथते है कि आपका डोह बिल्कुल सॉफ्ट हो जाए, इससे गुलाब जामुन भी सॉफ्ट बनेगा। अब इसमें चुटकी भर इलायची का पाउडर डालें और इसे भी अच्छी तरह से मिला लें। इसके बाद इसमें बेकिंग सोडा डालें और पूरे डोह को अच्छी तरह से मिला ले। फिर 15 मिनट के लिए एक तरफ अलग रख दें। अब बारी है स्टाफिंग तैयार करने की। इसके लिए सबसे पहले ड्राई फ्रूट्स ले, अब इसमें खोवा, केसर दूध डालकर इन्हें अच्छी तरह से मिलाए और एक तरफ अलग रख दें। एक पैन ले, पैन में शक्कर और पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाए। इसमें इलायची का पाउडर, केसर की पंखुड़ियां डालें और इसे गाढ़ा होते तक अच्छी तरह से पकाएं। अब डो से छोटे-छोटे बॉल की तरह गोले तैयार करें, उसके बाद बीच में फिलिंग भरे और इसे कवर कर दे। एक पैन ले। पैन को गर्म करें इसके बाद इसमें तेल डाले। तेल को भी अच्छी तरह से गर्म होने दें। फिर इसमें तैयार किए गए गुलाब जामुन डालें और इन्हें सुनहरा होने तक भूनें। अब इन्हें निकाल कर थोड़ा ठंडा होने दें। फिर इन गुलाब जामुन को शुगर सिरप में डूबा दे। 2 से 3 घंटे तक इन्हें इसी तरह से डूबे रहने दे।

हंसना मना है

सर- अंग्रेजों ने चांद पर पानी और बरफ की खोज कर ली है। बताओ इससे तुमने क्या सिखा? संता - बस हमें अब सिर्फ दारु और नमकीन लेके जाना है!

हसबैंड वाईफ में लड़ाई हुई, हसबैंड घर से चला गया, हसबैंड- रात को फोन पे, खाने में क्या है, वाईफ- जहर। हसबैंड- मैं देर से आऊंगा, तुम खा कर सो जाना।

टीचर- सेमिस्टर सिस्टम के फायदे बताओ? स्टूडेंट- फायदे तो पता नहीं, पर बेइज्जती साल में 2 बार हो जाती है।

भिखारी- कुछ खाने को दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- रोटी दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- अच्छा लाओ टमाटर ही दे दो, लड़की की मां- अरे तुम जाओ बाबा ये तोतली है। कह रही है..कमा कर खाओ।

वाईफ- अगर मैं माउंट एवरेस्ट पर चढ़ूं तो आप मुझे क्या दोगे? हसबैंड- पगली, इसमें पूछने वाली क्या बात है। धक्का।

कहानी

कौवा और दुष्ट सांप

एक बार जंगल में एक पेड़ पर कौवे का जोड़ा रहा करता था। वो दोनों खुशी-खुशी उस पेड़ पर जीवन बसर कर रहे थे। एक दिन उनकी इस खुशी को एक सांप की नजर लग गई। जिस पेड़ पर कौवों का घोंसला था, उसी पेड़ के नीचे बने बिल में सांप रहने लगा था। जब भी कौवों का जोड़ा दाना चुगने के लिए जाता, सांप उनके अंडों को खा जाता था और जब वो वापस आते, तो उन्हें घोंसला खाली मिलता था, लेकिन उन्हें पता नहीं चल पा रहा था कि अंडे कौन ले जाता है। इस प्रकार से कई दिन निकल गए। एक दिन कौवे का जोड़ा दाना चुग कर जल्दी आ गया, तो उन्होंने देखा की उनके अंडों को बिल में रहले वाला एक सांप खा रहा है। इसके बाद उन्होंने पेड़ पर किसी ऊंचे स्थान पर छुपकर अपना घोंसला बना लिया। सांप ने देखा कि कौवों का जोड़ा पहले वाले स्थान को छोड़कर चला गया है, लेकिन शाम होते ही दोनों वापस पेड़ पर आ जाते हैं। इस प्रकार कई दिन निकल गए। कौवा के अंडों में से बच्चे निकल आए और वो बड़े होने लगे। एक दिन सांप को उनके नए घोंसले का पता चल गया और वह कौवों के जाने का इंतजार करने लगा। जैसे कौवे घोंसला छोड़ कर गए, सांप उनके घोंसले की ओर बड़ने लगा, लेकिन किसी कारण से कौवों का जोड़ा वापस पेड़ की ओर लौटने लगा। उन्होंने दूर से ही सांप को उनके घोंसले की ओर जाता देख लिया और जल्दी से वहां पहुंच कर अपने बच्चों को पेड़ की ओट में छुपा दिया। सांप ने देखा की घोंसला खाली है, तो वह कौवों की चाल समझ गया और वापस बिल में जाकर सही मौके का इंतजार करने लगा। इसी बीच कौवे ने सांप से पीछा छुड़ाने के लिए एक योजना बनाई। कौवा उड़कर जंगल के बाहर बने एक राज्य में चला गया। वहां एक सुंदर महल था। महल में राजकुमारी अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी। कौवा उसके गले में से मोतियों का हार लेकर उड़ गया। सभी ने शोर मचाया, तो पहरेदार हार लेने के लिए कौवे का पीछा करने लगे। कौवे ने जंगल में पहुंचकर हारा को सांप के बिल में डाल दिया, जिसे पीछे कर रहे सैनिकों ने देख लिया। जैसे ही सैनिकों ने हार निकालने के लिए बिल में हाथ डाला, तो सांप फुंकारता हुआ बाहर निकल आया। सांप को देखकर सैनिकों ने तलवार से उस पर हमला कर दिया, जिससे सांप घायल हो गया और अपनी जान बचाकर वहां से भाग गया। सांप के जाने के बाद कौवा अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी रहने लगा।

7 अंतर खोजें

घर पर ही बनाकर खिलाएं स्वादिष्ट समोसा

बदलते मौसम में खाने-पीने का अपना अलग ही मजा होता है। खासतौर पर अगर बात करें भारतीय पकवानों की तो चटाकेदार भारतीय खाने और नाश्ते की तो बात की निराली होती है। लंच के बाद अक्सर शाम की चाय के साथ कुछ न कुछ खाने का मन करता रहता है। ऐसे में इस वक्त के लिए समोसा लगभग हर किसी को पसंद आता है। चाय के साथ अगर खाने को गरमागर्म समोसे मिल जाएं तो ये लोग उसे काफी चाव के साथ खाते हैं। वैसे तो भारत के हर गली-मोहल्ले में आपको समोसे आपको बनते हुए दिख जाएंगे, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि, लोग बाहर के बने समोसे खाने से बचते हैं।

सामान

मैदा, आलू, हरी मिर्च, धनिया, अदरक, तेल, नमक, लाल मिर्च पाउडर, छोटी चम्मच हल्दी पाउडर, 1/2 छोटी चम्मच गरम मसाला, छोटी चम्मच हींग, छोटी चम्मच अजवाइन।

विधि

समोसा तैयार करने के लिए सबसे पहले मैदे को छानकर एक बड़े से कटोरे में निकाल लें। इसके बाद इस मैदा में नमक और अजवाइन डालें। अच्छी तरह के इसे मिलाने के बाद पानी डालते हुए मैदा गूंथ लें। मैदा को गूंथने के बाद इसे साइड में रख लें। इसके बाद एक पैन लेकर उसमें तेल गर्ल करें। अब इसमें उबले हुए आलू डालकर अच्छी तरह से मैश करें। इन आलूओं में अब हरी मिर्च, धनिया, अदरक, नमक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, गरम मसाला, हींग और अजवाइन मिलाएं। अब इसे अच्छी तरह से तब तक भूनें। जब ये सही से भुन जाए तो आलूओं को एक प्लेट में निकाल कर रख लें। अब बारी आती है समोसा बनाने की। समोसा बनाने के लिए अब गूंथी हुई मैदा की लोई लेकर इसे गोल बेल लें। अब इसे बीच से दो भागों में काटकर एक भाग उठाएं। इस एक भाग को तिकोना करते हुए उसमें आलू भरें। आलू भरकर इसे ऊपर से गीली मैदा की मदद से चिपका दें। ऐसे करके सभी समोसे तैयार कर लें। बस अब ये समोसे तैयार हैं। आप चाहें तो तेल में इसे फ्राई कर लें। अगर तेल वाला समोसा नहीं खाना तो आप इसे एयरफ्राई भी कर सकते हैं।

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
घर की परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा।

वृषभ
धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग हैं।

मिथुन
स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क
घर में किसी को शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। बाहरी क्षेत्रों में विवाद न करें। आपको दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी।

सिंह
प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। आर्थिक योजनाओं में धन का निवेश हो सकता है।

कन्या
वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। थकान रहेगी। रचनात्मक कार्य में मन लगेगा। समय का सदुपयोग होगा।

तुला
बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी।

वृश्चिक
आज फालतू धन खर्च होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कुसंगति से हानि होगी। अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है।

धनु
पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा।

मकर
नए अनुबंध हो सकते हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुम्भ
धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे।

मीन
व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी से विवाद हो सकता है। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य करें।

जुदा हो गईं तमन्ना व विजय की राहें!

क्या वाकई में दोनों हो चुके हैं एक-दूजे से अलग

विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया हमेशा से ही पब्लिक प्लेस में एक-दूसरे के सहज नजर आए हैं। यही नहीं बल्कि दोनों एक-दूसरे के सबसे बड़े प्रशंसक भी रहे हैं, लेकिन हाल ही में पता चला है कि दोनों ने अलग होने का फैसला किया है। पिंकविला के एक सूत्र के मुताबिक, तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा कुछ हफ्ते पहले ही अलग हुए हैं, लेकिन जुदा होने के बावजूद भी वे दोनों अच्छे दोस्त बने रहना चाहते हैं। तमन्ना और विजय अपने प्रोजेक्ट्स में काफी बिजी हैं। माना जा रहा है कि काम में बिजी शेड्यूल भी इन दोनों के अलग होने की वजह हो सकती है। एक समय था जब विजय और तमन्ना एक-दूजे के साथ कई पब्लिक प्लेस पर साथ नजर आते थे। यही नहीं विजय ने तो कथित तौर पर तमन्ना के लिए अपने गहरे प्यार और खुशी का इजहार भी किया था। जीक्यू इंडिया से बातचीत के दौरान, विजय ने तमन्ना के लिए अपनी भावनाओं को खुलासा करते हुए कहा था, मुझे लगता है कि हम एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। मैं खुश हूं और उसके साथ प्यार में पागल हूं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान तमन्ना ने विजय की जमकर तारीफ की थी और कहा कि उन दोनों का एक स्वाभाविक रिश्ता है। तमन्ना ने यह भी कहा उनका यह रिश्ता पूरी ईमानदारी के साथ शुरू हुआ क्योंकि उन्होंने सरलता से इस रिश्ते आगे बढ़ाया।

विजय वर्मा ने बताया कि कैसे उन्होंने तमन्ना के साथ ज्यादा समय बिताने की इच्छा जाहिर की थी और उन्हें अपनी पहली डेट पर जाने के लिए पूछने में लगभग एक महीने का समय लग गया था। बहरहाल, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उनका रोमांटिक चैप्टर समाप्त हो चुका है, लेकिन दोनों अब अपने रिश्ते को आगे दोस्ती के तौर पर रखना चाहते हैं।

फिर से रिलीज होगी 'हेरा फेरी'

अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी की हेरा फेरी बॉलीवुड की सबसे मशहूर कॉमेडी कल्ट-क्लासिक्स में से एक है। इस महीने के आखिर में यह फिल्म अपनी रिलीज के 25 साल पूरे होने का जश्न मनाएगी। री-रिलीज के दौर में निर्माता फिरोज ए. नाडियाडवाला ने हाल ही में खुलासा किया कि क्या वह भी फिल्म को फिर से बनाने की योजना बना रहे हैं?

निर्माता फिरोज ए. नाडियाडवाला ने बॉलीवुड हंगामा से बताया कि क्या हेरा फेरी के समर्पित प्रशंसक को देखते हुए वह फिल्म को सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज करेंगे। उन्होंने कहा, यह एक ऐसा फैसला है, जो मैं अकेले नहीं लूंगा। कागजों पर मैं फिल्म का मालिक हूं, लेकिन नैतिक रूप से अक्षय जी, परेश जी और सुनील जी भी फिल्म के उतने ही मालिक हैं, इसलिए हम मिलकर फैसला लेंगे।

साथ ही उन्होंने आगे यह स्वीकार करते हुए अपना विश्वास व्यक्त किया कि जब भी वे इसे फिर से रिलीज करेंगे, उन्हें यकीन है कि यह कॉमेडी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाका मचा देगी। नाडियाडवाला ने फिर हेरा फेरी (2006) को 19 साल और हेरा फेरी को रिलीज हुए 25 साल हो चुके हैं। उन्होंने इस बात का जिक्र करते हुए कहा कि लोगों के बीच फिल्म का आज भी लोकप्रिय बने रहना, बहुत अच्छी बात है और इसके लिए उन्होंने कुछ नहीं किया है। यह अपने आप हुआ है।

हेरा फेरी और फिर हेरा फेरी ने मीम्स की दुनिया में भी पंथ का दर्जा हासिल कर लिया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए नाडियाडवाला ने लेखक नीरज वोरा को उनके मजाकिया संवादों में उनकी मासूमियत के लिए श्रेय दिया। उन्होंने उनसे सीखी गई मूल्यवान सीख के बारे में बात की और कहा कि कोई क्या कह रहा है यह महत्वपूर्ण है, लेकिन कोई इसे कैसे कह रहा है यह उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है।

बॉलीवुड | मन की बात

जब कोई भरोसा नहीं कर रहा था, तब प्रकाश जी ने मुझ पर भरोसा दिखाया : बॉबी देओल

बॉबी देओल के सितारे इन दिनों खूब चमक रहे हैं। एक समय था जब उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए फैंस तरस जाते थे। उन्हें काम मिलना बंद हो चुका था। लेकिन बॉबी की मेहनत भला कब तक उनकी सक्सेस का रास्ता रोक सकती थी। उन्होंने फिर दोबारा फिल्मों में काम करना शुरू किया और आते ही छा गए। उन्हें लगातार अपने काम के लिए सराहना मिलती आई है जिससे वो बहुत खुश हैं। एक इंटरव्यू में बॉबी ने अपनी सक्सेस पर खुलकर बात की है। उन्होंने फिल्म मेकर प्रकाश झा का भी धन्यवाद किया है जिन्होंने उन्हें आश्रम जैसी वेब सीरीज में बाबा निराला जैसा किरदार प्ले करने का मौका दिया। एक्टर ने कहा, आश्रम ने मेरी जिंदगी बदल दी। लोगों ने मुझे एक अलग किरदार में देखा। उन्होंने कहा कि बॉबी देओल विलेन वाले रोल्स भी प्ले कर सकता है या बॉबी देओल ऐसा भी कर सकता है। जिस वक्त में अपनी लाइफ में कुछ नहीं था तब कोई भी मुझपर भरोसा नहीं कर रहा था, लेकिन प्रकाश जी ने वो भरोसा दिखाया। अभी दोबारा मेरी इमेज लोगों में विलेन वाले रोल्स करने की बन गई है। मैं कोशिश कर रहा हूं कि इस इमेज को तोड़ सकूं। ऐसा नहीं है कि मैं सिर्फ मेन लीड प्ले करना चाह रहा हूं। जो किरदार मैं प्ले कर रहा हूं वो मेरी काबिलियत के बाहर के हैं। शुरुआत में मैं थोड़ा शरमा रहा था क्योंकि मैं ऐसे रोल्स में अपने आप को ढाल रहा हूं जिसका मतलब यही होगा कि मुझे अपने आप को और पुश करना होगा और बहुत मेहनत करनी होगी। बॉबी ने आगे फैंस के रिएक्शन पर भी बात की। उन्होंने कहा कि जब लोग उन्हें लॉर्ड बॉबी बुलाते हैं तब उन्हें एहसास होता है कि उनका काम लोगों को अच्छा लगा है। एक्टर ने कहा, ये उनका प्यार है जो उन्होंने मुझे दिया है। और ये उनकी तरफ से बहुत खास है कि वो मुझे लॉर्ड बुलाते हैं। लेकिन ये सब शुरू ट्रोल करने के इरादे से हुआ था। मगर बाद में ये पूरा पॉजिटिव लाइट में बदल गया।

इस जेल के कैदी अब शादियों में बजाएंगे बैंड, दी जा रही है ट्रेनिंग

बीकानेर। आपने कैदियों को जेल में देखा होगा, लेकिन अब बीकानेर जिले में जेल के कैदी शादी ब्याह के साथ सरकारी और निजी समारोह में बैंड बजाते नजर आएंगे। दरअसल बीकानेर जेल प्रशासन की ओर से पहली बार यह अनूठी पहल की जा रही है। इसी को लेकर बीकानेर जिला उद्योग संघ की प्रेरणा से भामाशाह सुरेंद्र जैन बाढ़ानी ने सभी बंदियों यानी संगीत कलाकारों को एक जैसी पोशाक उपहार के रूप में भेंट की है। जिससे यह कैदी अब शादी में एक तरह की ड्रेस पहनकर बैंड बजाते हुए नजर आएंगे। पोशाक पाकर बैंड के कलाकारों के बीच खुशी की लहर दौड़ पड़ी। जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल ने बताया, कि जेल प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह है, कि बंदी के जेल से निकलने के बाद उसके पास खुद का ऐसा हुनर हो, जिससे वह अपना व अपने परिवार का गुजारा कर सके, तथा खुद को समाज की मुख्य धारा में सम्मिलित कर सके। केंद्रीय कारागृह की ओर से इस बैंड को शहर के विभिन्न कार्यक्रमों, शादियों व पार्टियों में गीत संगीत के लिए भेजा जाता है। आगे उन्होंने बताया,कि जेल में बंद विचाराधीन और सजायाफ्ता कैदियों का एक ग्रुप तैयार किया जा रहा है, जो वाद्य यंत्र बजाने में माहिर हैं। और संगीत में रुचि रखने वाले कैदियों को जेल में ही ट्रेनिंग दी जा रही है। इस ग्रुप में कुल 18 बंदी शामिल हैं। कैदियों के आचरण को देखकर उन्हें इस टीम में शामिल किया गया है। भामाशाह सुरेंद्र जैन ने बताया कि अधीक्षक सुमन मालीवाल की इस बड़ी सोच से प्रेरित होकर, हर व्यक्ति का मन करता है कि वह भी जेल में बंद इन कैदियों के लिए कुछ करे, ताकि यह बैंड जिस किसी भी कार्यक्रम में जाए एक जैसी पोशाक में इसकी एक अलग ही शान दिखे। वहीं बीकानेर जिला उद्योग संघ अध्यक्ष द्वारका प्रसाद पचीसिया ने बताया, कि कोई भी व्यक्ति जन्म से अपराधी नहीं होता, कोई ना कोई मजबूरी या परिस्थिति उसे कानून तोड़ने को मजबूर कर देती है, लेकिन जब ऐसे व्यक्तियों के मन में अपना हुनर दुनिया के सामने लाने का जज्बा होता है, तो हमारा भी यह कर्तव्य बनता है, कि हम इन बंदियों को स्वरोजगार दिलाने या हुनर को निखारने में अपना सहयोग प्रदान करें।

अजब-गजब | इस देश में नहीं है एक भी अस्पताल

यहां 96 सालों से पैदा नहीं हुआ एक भी बच्चा

हमने अपने बड़े-बुजुर्गों से अक्सर बच्चों के बिना घर सूना कहावत से लेकर हम दो, हम दो नारे तक सब कुछ सुना है। ये सब सुनते-सुनते और देखते-देखते भारत विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन गया। लेकिन, इस धरती पर एक ऐसा देश है, जहां पर 96 सालों से कोई बच्चा ही पैदा नहीं हुआ। यहां तक की वहां पर कोई अस्पताल भी नहीं है।

21वीं सदी में भला ऐसा कौन सा देश है, जहां हॉस्पिटल नहीं है? हमारे जेहन में ये सवाल सबसे पहले आता है। लेकिन आपको बता दें कि सच में ये देश है, लेकिन मान्यता प्राप्त देशों की सूची में यह सबसे छोटा है। इस देश में रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म के सभी धर्म गुरु निवास करते हैं। अब तक तो आप समझ गए होंगे, लेकिन फिर नहीं जानते तो बस अगली स्लाइड में हम बता रहे हैं।

इस देश का नाम वेटिकन सिटी है। यह विश्व का सबसे छोटा देश भी है। इस देश के बारे में आश्चर्य की बात यह है कि इस देश में अब तक एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ है। जी हां, यह देश 11 फरवरी 1929 को बना था, लेकिन उसके बाद से यहां पर एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ। क्या आप जानते हैं ऐसा क्यों है? दुनिया भर के सभी कैथोलिक चर्च और कैथोलिक ईसाई इसे अपनी जड़ मानते हैं। कैथोलिक चर्च, उसके पादरी और दुनिया भर के प्रमुख धार्मिक नेताओं को यहीं से नियंत्रित किया जाता है। महत्वपूर्ण जानकारी यह है कि इस देश के गठन के बाद से यहां कोई अस्पताल नहीं

बनाया गया है। कई बार अस्पताल बनाने का अनुरोध किया गया, लेकिन हर बार इनकार कर दिया गया। ऐसे में यहां कोई गंभीर रूप से बीमार हो या कोई महिला गर्भवती होती है, तो उन्हें रोम के अस्पताल में भेज दिया जाता है। बता दें कि यह देश रोम सिटी के बीचों-बीच है।

ऐसा कहा जा रहा है कि वेटिकन सिटी में अस्पताल न खोलने का निर्णय संभवतः इसके छोटे आकार और आसपास के क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं की गुणवत्ता के कारण लिया गया होगा। दरअसल, वेटिकन सिटी का क्षेत्रफल मात्र 118 एकड़ है। ऐसे में सभी मरीजों को इलाज के लिए रोम के क्लीनिकों और अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ता है। यहां कोई भी बच्चे को जन्म नहीं दे सकता, क्योंकि यहां कोई प्रसव कक्ष नहीं है। शायद यही वजह है कि 96 सालों से इस देश में कोई बच्चा नहीं जन्मा।

इसके अलावा, वेटिकन में केवल 800-900 लोग रहते हैं, जिनमें रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म से जुड़े वरिष्ठ पादरी भी शामिल हैं। हालांकि, यहां अपराध दर अन्य देशों की तुलना में अधिक है। ऐसा इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यहां कई व्यक्तिगत अपराध होते हैं। ये अपराध आमतौर पर लाखों बाहरी पर्यटकों द्वारा किए जाते हैं। आम अपराधों में दुकान से चोरी, पर्स छीनना और जेबकतरी शामिल हैं। वेटिकन सिटी में दुनिया का सबसे छोटा रेलवे स्टेशन है। इस स्टेशन पर दो ट्रैक हैं, प्रत्येक 300 मीटर लंबा है, तथा एक स्टेशन है जिसका नाम सिट्टा वेटिकनो है। रेलवे लाइन और रेलवे स्टेशन का निर्माण पोप पायस XI के शासनकाल के दौरान किया गया था। इसका उपयोग केवल माल परिवहन के लिए किया जाता है। उल्लेखनीय है कि इस देश में नियमित रेलगाड़ियां नहीं चलती हैं।

इसके अलावा पिटकेर्न द्वीप समूह, जो एक ब्रिटिश विदेशी क्षेत्र है, की जनसंख्या 50 से भी कम है। इसलिए, यह बताया गया है कि यहां कुछ वर्षों से कोई जन्म पंजीकृत नहीं किया गया है। इन दोनों के अलावा अंटार्कटिका में अब तक किसी भी जन्म नहीं हुआ है। हां, यह एक महाद्वीप है, लेकिन एक संप्रभु देश नहीं है। इसके अलावा, यहां आमतौर पर जन्म नहीं होते, क्योंकि यह क्षेत्र केवल वैज्ञानिक अनुसंधान तक ही सीमित है।

चुनावी वादे पूरे न करने पर दिल्ली में घमासान

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा- तारीख न गिनाएं आतिशी

» आप ने भाजपा सरकार पर किया हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। दिल्ली में नई भाजपा सरकार बने एक महीने होने को हैं। अब वहां का विपक्षी दल आप सरकार को उसके चुनावी वादे पूरा न करने को लेकर उसे घेर रहा है। इन सबके बीच भाजपा व आप में वार पलटवार जारी हो गया। आप नेता व दिल्ली की नेता प्रतिपक्ष आतिशी द्वारा चुनावी वादे समय पर नहीं पूरे किए जाने की बात उठाने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आतिशी तारीखें न गिनाएं। दिल्ली की भाजपा सरकार अपने एजेंडे पर काम करेगी। इसमें दिल्ली की बहनों को 2500 रुपये और 500 रुपये में गैस सिलिंडर भी मिलेगा।

इसके अलावा दूसरे सारे वायदे भी सरकार पूरे करेगी। झुग्गियों में रहने वाली बहनों और परिवारों से मिलकर सरकार से उनकी अपेक्षाओं के बारे में बात की जाएगी, ताकि विकसित दिल्ली बजट को हर किसी की जरूरत पूरा करने वाला बनाया जा सके। इससे पहले मुख्यमंत्री ने बजट की तैयारियों के मद्देनजर महिला संगठनों के साथ संवाद कार्यक्रम किया। इसमें विभिन्न संगठनों की महिलाओं ने भाग लिया और बजट से संबंधित मुद्दों पर सुझाव सरकार को दिए। मुख्यमंत्री के सामने महिलाओं ने कई विषयों पर चर्चा की। वे दिल्ली में शौचालयों और सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित दिखीं। कई विषय महिलाओं ने सीएम के सामने उठाए। मुख्यमंत्री ने भी महिलाओ की मांगों पर आश्वासन दिया और बजट में प्रावधान करने को कहा। अगले तीन दिन तक इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होगा और संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा होगी। इसके अलावा झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले परिवारों से भी मुलाकात होगी। युवाओं और अन्य वर्गों के साथ भी बातचीत होगी। संकल्प पत्र में किए गए सभी वादों को पूरी तत्परता और ईमानदारी से पूरा किया जाएगा। संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य दिल्ली के नागरिकों, खासकर महिलाओं के जीवनस्तर में सुधार लाना और बजट को उन सभी वर्गों की जरूरतों के मुताबिक बनाना है। सरकार दिल्ली की सभी बहनों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर काम करती रहेगी।

महिलाओं को 2500 रुपये दिलाने के लिए आप ने किया प्रदर्शन

आप ने भाजपा और प्रधानमंत्री को दिल्ली की महिलाओं से 2,500 रुपये देने का किया गया वादा याद दिलाया। बुधवार को आईटीओ पर पूर्व विधायक ऋतुराज झा और विधायक प्रेम चौहान के साथ आप कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग फ्लाईओवर पर मानव शृंखला बनाकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ता हाथ में बस तीन दिन और लिखा बैनर लेकर नारेबाजी करते रहे। ऋतुराज झा ने कहा कि हर बार भाजपा ने मोदी की गारंटी को जुमला साबित किया है, लेकिन इस बार महिलाओं को 2500 रुपये दिलवाकर रहेंगे।

भाजपा के कई नेताओं की बढ़ी सुरक्षा

इस बीच, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने के बाद सुरक्षा इकाई ने मंत्री रविंदर इंद्राज सिंह और पंकज सिंह को एक्स श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। इसके साथ ही सभी नए मंत्रियों को सुरक्षा कवर मिल गया है। मनजिंदर सिंह सिरसा को जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है, जबकि प्रवेश साहिब सिंह, कपिल मिश्रा और आशीष सूद को वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है।

दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल की सुरक्षा पर गृह मंत्रालय को लिखा पत्र

दिल्ली चुनाव में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की हार के एक महीने बाद बड़ा बदलाव होने जा रहा है। दिल्ली पुलिस की सुरक्षा इकाई ने गृह मंत्रालय से यह पूछा है कि क्या अरविंद केजरीवाल को प्रदान की गई सुरक्षा जारी रहनी चाहिए या इसमें कटौती की जानी चाहिए। सुरक्षा इकाई ने गृह मंत्रालय की ओर से दिल्ली पुलिस मुख्यालय को एक पत्र भेजा है, जिसमें केजरीवाल की सुरक्षा पर निर्णय लेने की मांग की गई है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल को वर्तमान में 'जेड प्लस' सुरक्षा कवर प्राप्त है, जो खतरे की आशंका के आधार पर गृह मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जाता है, तथा जेड श्रेणी की सुरक्षा दिल्ली पुलिस द्वारा दी जाती है। प्रोटोकॉल के अनुसार, दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है, जिसे मूल्यांकन के बाद बढ़ाया जा सकता है। कई सुरक्षा खतरों के कारण, गृह मंत्रालय ने केजरीवाल को 'जेड प्लस' सुरक्षा कवर प्रदान किया था और सितंबर 2024 में सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद भी दिल्ली पुलिस द्वारा उन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, एमएचए के निर्देश पर सुरक्षा एजेंसियां वीआईपी या वीवीआईपी लोगों के खतरे का आकलन करती हैं। एक सूत्र ने कहा, सुरक्षा इकाई की ओर से पीएचक्यू को एक पत्र भेजा गया है, जिसमें उनके (केजरीवाल के) सुरक्षा कवर की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी गई है और इस पर निर्णय मांगा गया है कि मौजूदा सुरक्षा स्थिति जारी रहनी चाहिए या घटाई जानी चाहिए। पत्र का हवाला देते हुए सूत्र ने कहा कि यह पत्र फिलहाल पीएचक्यू में है और आने वाले दिनों में इसे गृह मंत्रालय को भेजे जाने की संभावना है।

25 साल बाद फाइनल में भिड़ेंगे भारत-न्यूजीलैंड

चैंपियंस ट्रॉफी 2000 में कीवी तोड़ चुके हैं भारत का सपना

» अफ्रीका को सेमीफाइनल में 50 रन से हराकर कीवी फाइनल में पहुंचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच नौ मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को मात देकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। 25 साल बाद एक बार फिर यह दोनों टीमें आईसीसी के सीमित ओवर प्रारूप के खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगी। दिलचस्प बात यह है कि आईसीसी के सीमित ओवर के प्रारूप में आखिरी बार दोनों टीमें फाइनल में 2000 में चैंपियंस ट्रॉफी में खेली थीं। उस समय न्यूजीलैंड ने भारत ने चार विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था।

उस मैच में सौरव गांगुली की अगुआई वाली भारतीय टीम ने गांगुली के 117 रन और सचिन तेंदुलकर के 69 रनों की बदौलत 50 ओवर में छह विकेट पर 264 रन बनाए थे। जवाब में स्टीफन फ्लेमिंग की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड टीम ने लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया था। कीवी टीम के लिए क्रिस कार्नस ने 113 गेंदों पर नाबाद 102 रन बनाए थे और भारत के मुंह से जीत छीन ली थी। बता दें न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 50 रन से हराकर सेमीफाइनल मैच अपने नाम कर लिया। दूसरे सेमीफाइनल में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने रचिन रवींद्र और केन विलियमसन की शतकीय पारियों की बदौलत 50 ओवर में छह विकेट खोकर 362 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर 312 रन बना सकी।

मिलर ने चैंपियंस ट्रॉफी में लगाया सबसे तेज शतक

लाहौर। दक्षिण अफ्रीका के तूफानी बल्लेबाज डेविड मिलर ने 67 गेंदों में 100 रनों की नाबाद पारी खेली। यह उनके वनडे करियर का सातवां शतक है। इस दौरान मिलर ने 149.25 के स्ट्राइक रेट से 10 चौके और चार छक्के लगाए। इसी के साथ वह चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 77 गेंदों में इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाया था। मिलर ने आखिरी गेंद पर दो रन बनाकर अपना सैकड़ा पूरा तो कर लिया लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। इसके बावजूद उन्होंने अनोखे अंदाज में अपनी शतकीय पारी का जश्न मनाया।

कर्नाटक में डिप्टी सीएम की टिप्पणी पर बवाल

» शिवकुमार ने बेंगलुरु फिल्म महोत्सव को लेकर दिया था बयान

» कलाकारों ने जताई नाराजगी, कहा - फिल्म महोत्सव राजनीतिक कार्यक्रम नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। 16वें बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (बीआईएफएफ) के उद्घाटन समारोह में फिल्म इंडस्ट्री के लोगों के शामिल नहीं होने पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की टिप्पणी ने फिल्म महोत्सव में हंगामा खड़ा कर दिया है। इस मामले को लेकर शिवकुमार की भाषा के बारे में एक बहस हुई है। वह जानते हैं कि नट और बोल्ट को कैसे कसना है।

इसको लेकर अभिनेताओं और फिल्म निर्माताओं का मानना है कि फिल्म महोत्सवों को सरकार से अलग करना महत्वपूर्ण था। डिप्टी सीएम की टिप्पणी को लेकर फिल्म निर्माता मानसो रे ने कहा, फिल्म महोत्सव राजनीतिक कार्यक्रम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म महोत्सवों का उद्घाटन विधान सौध के बजाय सभागारों में करना अधिक उपयुक्त होगा। आगे रे ने कहा एक फिल्म निर्माता के रूप में, मैं राजनीति के बारे में नहीं, बल्कि सिनेमा के बारे में अधिक जानने के लिए फिल्म समारोहों में भाग लेता हूं। अगर मुझे राजनेताओं से मिलना है तो मैं फिल्म फेस्टिवल में क्यों जाऊंगा। उन्होंने कहा कि मीडिया का ध्यान शिवकुमार की टिप्पणियों के बजाय युवा दर्शकों को सिनेमा के बारे में जानकारी और सुझाव देने पर होना चाहिए था।

टिप्पणियों में उचित भाषा का इस्तेमाल करें डिप्टी सीएम : अभिनेता किशोर

तो वहीं, 16वें बीआईएफएफ के राजदूत और अभिनेता किशोर ने कहा कि हालांकि आयोजकों और फिल्म समुदाय के बीच संवादहीनता है, डीके शिवकुमार को अपनी टिप्पणियों में अधिक उचित भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए था। इसके अलावा वैभवी थिएटर के मालिक और कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष एम नरसिम्हालु ने कहा कि आम तौर पर मशहूर हस्तियां तब तक सार्वजनिक प्रस्तुति नहीं देती हैं जब तक उन्हें आमंत्रित नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा, अगर मशहूर हस्तियों और फिल्म समुदाय के सदस्यों को पहले आमंत्रित किया गया होता, तो वे जरूर आते। मानसो रे ने यह भी कहा कि महामारी के दौरान पानी के लिए पदयात्रा में साधु कोकिला की भागीदारी पर डीकेएस की टिप्पणी एक अभिनेता और संगीतकार के रूप में तीन दशकों से अधिक समय तक कन्नड़ फिल्म उद्योग में उनके योगदान का अपमान है। साधु कोकिला वर्तमान में कर्नाटक चलचित्र अकादमी के अध्यक्ष हैं।

समस्याओं का अपने फायदे के लिए उपयोग करें : नायडू

» अमेरिकी शुल्क से पैदा होने वाली चुनौतियों पर बोले मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने देश के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि सरकार अमेरिका द्वारा शुल्क लगाए जाने से उत्पन्न चुनौतियों को रणनीतिक लाभ में बदल देगी। नायडू ने यहां कहा कि कुछ समस्याएं तो हमेशा रहेंगी ही। अब मुद्दा यह है कि हम सभी समस्याओं का अपने फायदे के लिए कैसे उपयोग करें। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे प्रधानमंत्री बहुत सक्षम हैं।

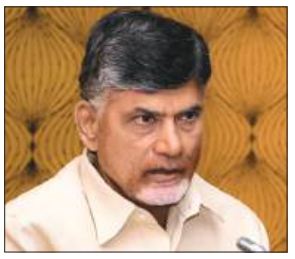

वह संकट का लाभ उठाकर उसे अवसर में बदल देंगे। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी अमेरिका द्वारा प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर शुल्क लगाने के फैसले के मद्देनजर आई है, जो भारत के लिए कूटनीतिक और आर्थिक चुनौती का संकेत है।

नीतीश को लेकर बिहार में बढ़ी सियासी रार

» राजद नेता तेजस्वी का बिहार के सीएम पर पलटवार
» जनसुराज पार्टी ने भी लिया आड़े हाथों
» नीतीश कुमार को भूलने की बीमारी : तेजस्वी
» बोले नेता प्रतिपक्ष - मैंने उन्हें दो बार मुख्यमंत्री बनाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की राजनीति में एक बार फिर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बड़ा हमला किया है। तेजस्वी ने दावा किया कि उन्होंने ही दो बार नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया और उनकी पार्टी को बचाया।

तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें नीतीश कुमार ने विधानसभा में कहा था कि उन्होंने लालू यादव को मुख्यमंत्री बनाया। तेजस्वी यादव ने पलटवार कर कहा कि नीतीश कुमार जो कहते हैं, उसे भूल जाइए... लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि मेरे पिता (लालू यादव) पहले ही दो बार विधायक और एक बार सांसद बन चुके थे, जब नीतीश कुमार राजनीति में आए भी नहीं थे।

तेजस्वी ने आगे कहा कि नीतीश कुमार लालू यादव को मुख्यमंत्री बनाने की बात करते हैं, लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि लालू जी ने कई प्रधानमंत्रियों को बनाया है। मैं ही वह व्यक्ति हूं जिसने नीतीश कुमार को दो बार मुख्यमंत्री बनाया और उनकी पार्टी को बचाया।

बीजेपी नीतीश कुमार को सिर्फ वोट बैंक के लिए इस्तेमाल कर रही : प्रशांत

बिहार के बेतिया पहुंचे जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा है। साथ ही उन्होंने बिहार की राजनीति को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नीतीश कुमार को सिर्फ वोट बैंक के लिए इस्तेमाल कर रही है। वहीं शराबबंदी पर बोलते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि शराबबंदी सिर्फ कागजों में है। उनकी सरकार बनने पर एक घंटे में इसे हटा देंगी। उन्होंने दावा किया कि शराबबंदी से राज्य को 20 हजार करोड़ का नुकसान हो रहा है।

'2025 में नीतीश कुमार बिहार के सीएम नहीं बनेंगे'

प्रशांत किशोर ने दावा करते हुए कहा कि 2025 में नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। उन्होंने चुनौती दी कि अगर नीतीश मुख्यमंत्री बन जाते हैं, तो वे अपना अभियान वापस ले लेंगे। उनका आरोप है कि राजद, कांग्रेस, भाजपा और जदयू मिलकर बिहार को लूट रहे हैं। जन सुराज की भविष्य की योजनाओं का खुलासा करते हुए किशोर ने बताया कि 2025 में उनकी पार्टी सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। 2029 तक किसी भी दल से गठबंधन नहीं करेगी। चंपारण से जनसभाओं की शुरुआत के बाद पदयात्रा की योजना है।

सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि वह अस्वस्थ हैं और अपने मंत्रियों के नाम तक नहीं बता पाते। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश भाजपा के पैसे से चुनाव लड़ते हैं। प्रशांत किशोर ने याद दिलाया कि नीतीश के मानसिक स्वास्थ्य पर सबसे पहले नवंबर 2023 में भाजपा नेता सुशील मोदी ने सवाल उठाए थे।

भाजपा के पैसे से चुनाव लड़ते हैं नीतीश

तेजस्वी बोले- सरकार में आने पर युवा आयोग का करेंगे गठन

राजद नेता तेजस्वी यादव ने राज्य के युवाओं के लिए अपना दृष्टिकोण जनता के सामने रखा है। तेजस्वी यादव ने युवा आयोग की स्थापना, नौकरियों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने वाली अधिवास नीति, सरकारी नौकरी के फॉर्म की फीस माफ करना और परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के यात्रा व्यय को वहन करने की जानकारी दी है। तेजस्वी यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार के युवाओं को अब 75 साल का सीएमनहीं चाहिए। उन्होंने कहा, कल युवा चौपाल% के दौरान हमने कहा था किजब देश में नौकरियों और सेवाओं में सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष है, तो क्या देश में सबसे अधिक युवा आबादी वाले बिहार के मुख्यमंत्री की आयु 75 वर्ष होनी चाहिए? बिहार के युवा अब जनता द्वारा नकारे गए अस्वस्थ सरकार के 75 वर्षीय मुख्यमंत्री को ढोना नहीं चाहते हैं। उन्होंने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर भी निशाना साधा और कहा, अस्वस्थ सरकार के थके-मादे नेताओं-अधिकारियों का गठबंधन बिहार के युवाओं का वर्तमान और भविष्य बर्बाद कर रहा है। सरकार की गलत नीतियों के कारण युवा ओवरएज हो रहे हैं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार बनते ही हम राज्य में युवा आयोग का गठन करेंगे, बिहार में अधिवास नीति लागू करेंगे, जिससे नौकरियों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता मिलेगी, सरकारी नौकरी के फॉर्म की फीस माफ की जाएगी और परीक्षा केंद्र तक अभ्यर्थियों का यात्रा किराया सरकार वहन करेगी। तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर तंज कसा कि बिहार में एक थका हुआ मुख्यमंत्री है, जिसके आसपास सिर्फ रिटायर्ड अधिकारी हैं। 'बिहार में एक थका हुआ सीएम और सेवानिवृत्त अधिकारी हैं' तेजस्वी यादव के इस बयान के बाद बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट की योगी सरकार को फटकार

शीर्ष अदालत ने प्रयागराज में अतिक्रमण हटाओ के 'मनमानेपूर्ण' मामले पर आपत्ति जताई

» कार्रवाई चौंकाने वाली और गलत संदेश भेजती है : न्यायमूर्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उच्चतम न्यायालय ने प्रयागराज में उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किये बिना मकानों को ध्वस्त करने को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार से नाखुशी जताई और जमककर फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि यह कार्रवाई ''चौंकाने वाला और गलत संदेश'' देती है।

न्यायमूर्ति अभय ओका और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मकान गिराने के 'मनमानेपूर्ण' मामले पर आपत्ति जताई और कहा कि ध्वस्त किए गए ढांचों का पुनर्निर्माण करना होगा। पीठ ने कहा, प्रथम दृष्टया, यह कार्रवाई चौंकाने वाली और गलत संदेश भेजती है। यह ऐसी चीज है जिसे ठीक करने की जरूरत है। आप मकानों को ध्वस्त करने जैसी कठोर कार्रवाई कर रहे हैं... हम जानते हैं कि इस तरह के अति तकनीकी तर्कों से कैसे निपटना है। आखिरकार अनुच्छेद 21 और आश्रय का अधिकार जैसी कोई चीज है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि राज्य सरकार ने यह सोचकर मकान गिरा दिये कि जमीन गैंगस्टर अतीक अहमद की है जो 2023 में मारा गया था। उच्चतम न्यायालय अधिवक्ता जुल्फिकार हैदर, प्रोफेसर अली अहमद और अन्य लोगों की याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिनके घर ध्वस्त कर दिए गए थे।

याचिकाकर्ताओं को उचित समय दिया गया था : वेंकटरमणि

अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने राज्य सरकार की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं को विध्वंस नोटिस का जवाब देने के लिए उचित समय दिया गया था।

अमेरिका के बाद अब यूके से भी अवैध प्रवासियों का होगा निर्वासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। अमेरिका के बाद अब यूके से भी निर्वासन की तैयारी चल रही है। यूके की लेबर सरकार ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ व्यापक अभियान शुरू किया है। यह अभियान विशेष रूप से भारतीय रेस्तरां, नेल बार, करियाना स्टोर और कार वॉश जैसे छोटे व्यवसायों पर केंद्रित है।

भारतीय रेस्तरां में छापेमारी

हाल ही में 828 स्थानों पर छापा मारा गया। इसमें 609 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों में सबसे ज्यादा पंजाबी हैं, जो स्टडी या टूरिस्ट वीजा पर यूके गए थे। ये वीजा की अवधि खत्म होने पर अवैध रूप से यूके में रह रहे थे। उत्तरी इंग्लैंड के हंबरसाइड में एक भारतीय रेस्तरां में छापे में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से चार को हिरासत में ले लिया। लेबर सरकार के सत्ता में आने के बाद से लगभग 19,000 विदेशी अपराधियों और अवैध प्रवासियों को देश से निकाला जा चुका है। इनमें भी सबसे अधिक पंजाबी हैं। इस सख्त कार्रवाई के परिणामस्वरूप अवैध प्रवासियों को रोजगार देने वाले नियोक्ताओं पर भी भारी जुर्माना लगाया जा रहा है। एक अवैध कर्मचारी रखने पर मालिक को 60,000 पाउंड (60 लाख रुपये) तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है।यूके के रहने वाले किरपाल सिंह का कहना है कि यह कदम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त माइग्रेशन नीति के साथ मेल खाता है, जिसने हाल ही में अवैध प्रवासियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है।

राजस्थान के सिरोही में बड़ा सड़क हादसा, 6 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के सिरोही में बड़ा सड़क हादसा हुआ है. इस दर्दनाक हादसे में 6 लोगों की मौत की खबर आ रही है। ये हादसा सिरोही जिले में आबूरोड सदर थाना क्षेत्र के किवरली के पास आज तड़के करीब 3 बजे हुआ। इस दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

वहीं, एक महिला गंभीर रूप से घायल है, जिसे प्राथमिक इलाज के बाद सिरोही रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि जालोर निवासी ये लोग कार में सवार होकर अहमदाबाद से वापस लौट रहे थे. नेशनल हाईवे-27 पर किवरली के पास उनकी कार आगे चल रहे ट्रोले से टकरा गई। ये टक्कर इतनी भीषण थी कि चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य की मौत इलाज के दौरान हुई।

जदयू नेता खालिद अनवर के बयान पर आग-बबूला हुई भाजपा

» औरंगजेब विवाद की चुनावी राज्य बिहार में भी एंट्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। महाराष्ट्र के बाद चुनावी राज्य बिहार में भी औरंगजेब विवाद की एंट्री हो चुकी है। सपा विधायक अबू आजमी के बाद बिहार में जेडीयू के एमएलसी खालिद अनवर ने भी औरंगजेब के समर्थन में बयान दिया है जिसके बाद सियासत तेज हो गई है। जेडीयू एमएलसी खालिद अनवर ने कहा कि औरंगजेब को लेकर लोगों की अलग-अलग राय है।

इतिहासकारों का कहना है कि औरंगजेब एक अच्छा शासक था और वह उतना क्रूर नहीं था जितना उसे दिखाया जाता है, एक लॉबी है जो उन्हें क्रूर दिखाने की कोशिश कर रही है। सीएम नीतीश कुमार

की पार्टी के नेता ने कहा कि यह एक अकादमिक चर्चा है और इस पर संसद या राजनीतिक रैली में चर्चा नहीं की जा सकती। इसलिए, अकादमिक चर्चा को अकादमिक ही रहने दिया जाना चाहिए। मुझे समझ नहीं आता कि एक राजनीतिक दल औरंगजेब के खिलाफ इस तरह की गलत सूचना से क्या हासिल करना चाहता है।

नफरत की राजनीति से लाभ उठाने के अलावा बीजेपी के पास कोई दूसरा काम नहीं : अख्तरुल ईमान

एआईएमआईएम बिहार अध्यक्ष और विधायक अख्तरुल ईमान ने कहा कि नफरत की राजनीति से राजनीतिक लाभ उठाने के अलावा बीजेपी के पास कोई दूसरा काम नहीं है। औरंगजेब एक महान सम्राट थे। उन्होंने टोपियाँ सिलकर आजीविका अर्जित की। उन्होंने करदाताओं का पैसा अपने ऊपर इस्तेमाल नहीं किया। उन्हें यहीं दफनाया गया था। वह अंग्रेजों की तरह लूटकर नहीं गये बल्कि उन्होंने इस देश की सेवा की। उन्होंने अफगानिस्तान से लेकर बर्मा (म्यांमार) तक फैले भारत को एकीकृत किया और इसे अखंड भारत बनाया। अख्तरुल ईमान ने कहा कि कउन्होंने मंदिर और मस्जिद दोनों के साथ समान व्यवहार किया। तो, ऐसा विवाद क्यों खड़ा किया जा रहा है? सुप्रीम कोर्ट को ऐसी सरकारों पर स्वतःसंज्ञान लेना चाहिए। अबू आजमी के खिलाफ कार्रवाई असंवैधानिक है।

बिहार में औरंगजेब के पक्ष में चर्चा होना दुखद और चिंताजनक : नीरज कुमार

भाजपा ने इसको लेकर पलटवार किया है। बिहार सरकार के मंत्री और भाजपा नेता नीरज कुमार सिंह बब्लू ने कहा कि ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और गलत है। औरंगजेब ने इस देश को लूटा। वह एक अत्याचारी के रूप में जाना जाता था। तो जिसने कहा उसके खिलाफ कार्रवाई हुई। जो लोग उनके समर्थन में बोलते हैं वे देशद्रोही हैं। उन्होंने कहा कि अगर बिहार में उनके पक्ष में चर्चा हो रही है तो यह बेहद दुखद और चिंताजनक है। जो लोग उनके पक्ष में बोलते हैं उन्हें इतिहास पढ़ना चाहिए, इतिहास से सीखना चाहिए और अगर हम देश को लूटने वालों का महिमामंडन करते हैं तो यह बहुत दुखद है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।